

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

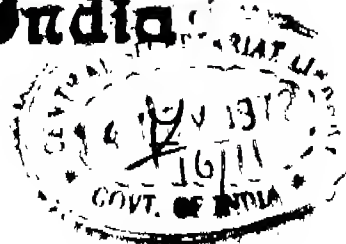
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 215] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 22, 1972/भाद्र 31, 1894
No. 215] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 22, 1972/BHADRA 31, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 22nd September 1972

SUBJECT.—*Import of raw materials and components by units engaged in priority industries during April 1972—March 1973.*

No. 138-ITC(PN)/72.—Attention is invited to Paragraph 9 in Section 1 of the Import Trade Control Policy (Red Book—Vol. 1) for April 1972—March 1973 period in terms of which units engaged in priority industries can apply for import of raw materials and components on the basis of consumption during a period of not less than three months and not more than six months at a time.

2. In partial modification of the aforesaid paragraph of the Red Book, it has been decided that units engaged in priority industries may apply on the basis of consumption during a period of three months or six months or 12 months, at a time, subject to other conditions relating to the submission of import applications and grant of licences to priority industries as laid down in the Red Book.

3. In cases where import applications are made on the basis of consumption during a period of twelve months under para 2 above, the import licences, if otherwise admissible, will be issued subject to the condition that the licensee shall not be permitted to make remittance against his licence for a value exceeding 50 per cent of the value of the licence during the first six months of the validity period of the licence.

M. M. SEN,
Chief Controller of Imports and Exports.

विदेश व्यापार मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1972

विषय.—अप्रैल, 1972-मार्च, 1973 के दौरान प्राथमिकता प्राप्त उद्योगों में लगे हुए एककों द्वारा कच्चे माल और संघटकों का आयात ।

संख्या 138-आई टी० सी० (पी एन)/72.—अप्रैल, 1972-मार्च, 1973 के लिए आयात व्यापार नियंत्रण नीति (रैंड बुक वा० 1) के खंड 1 की कंडिका 9 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसकी शर्तों के अनुसार प्राथमिकता प्राप्त उद्योगों में लगे हुए एकक एक समय में न तो तीन माह से कम और न छह माह से ज्यादा अवधि के दौरान की गई खपत के आधार पर कच्चे माल और संघटकों के आयात के लिए आवेदन कर सकते हैं ।

2. रैंड बुक की उक्त कंडिका का आंशिक आशोधन कर, यह निश्चय किया गया है कि प्राथमिकता प्राप्त उद्योगों में लगे हुए एकक आयात आवेदन पत्रों को प्रस्तुत करने और प्राथमिकता प्राप्त उद्योगों को लाइसेंस दिए जाने से संबंधित रैंड बुक में निर्धारित की गई शर्तों के अधीन एक समय, में, तीन माह या छह माह या बारह माह के दौरान की गई खपत के आधार पर आवेदन कर सकते हैं ।

3. यदि उपर्युक्त कंडिका 2 के अनुसार बारह माह की अवधि के दौरान की खपत के आधार पर आयात आवेदन-पत्र दिए जा रहे हों और यदि आयात लाइसेंस अनन्यथा रूप से स्वीकार्य है, तो ये इस शर्त के अधीन जारी किए जाएंगे कि लाइसेंसधारी को उसके लाइसेंस के मद्दे लाइसेंस की वैधता अवधि के प्रथम छह माह के दौरान लाइसेंस के मूल्य के 50 प्रतिशत से ज्यादा मूल्य के लिए प्रेषण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

एम० एम० सेन,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात ।